This question paper contains 4 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

5821

B.A. (Programme)/I **E**

HINDI DISCIPLINE — Paper I

(हिंदी अनुशासन)

(हिंदी कविता, नाटक तथा हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात्—नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य है । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8+8=16

(क) पिया मेरा मिलिया सत्त गियानी ।

सबमें व्यापक, सबकी जानै ऐसा अन्तरजामी ।

सहज सिंगार, प्रेम का चोला सुरति निरति भरि आनी।

P.T.O.

सील संतोख पहिरि दोइ कंगन होइ रही मगन दिवानी ।
कुमति जराइ करौं मैं काजर पढ़ी प्रेम रस बानी ।
ऐसा पिया हम कबहुँ न देखा सूरति देखि लुभानी ।
कहै कबीर मिला गुर पूरा तन की तपनि बुझानी ।

(ख) अति परचै ते होत है अरुचि अनादर भाय ।
मलयगिरि की भीलनी चंदन देति जराय ॥
सुरसति के भंडार की बड़ी अपूरब बात ।
ज्यौं खरचै त्यौं त्यौं बढ़े बिन खरचे घटि जात ॥

(ग) जी पहले कुछ दिन शर्म लगी मुझको,
पर बाद-बाद में अक्ल जगी मुझको,
जी लोगों ने तो बेच दिए ईमान,
जी, आप न हों सुनकर ज्यादा हैरान—
मैं सोच-समझकर आखिर
अपने गीत बेचता हूँ
जी हाँ हजूर, मैं गीत बेचता हूँ
मैं तरह तरह के गीत बेचता हूँ
मैं किसिम किसिम के गीत बेचता हूँ

2. तुलसीदास **अथवा** घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए । 7

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6+6 =12

(1) 'सखि वे मुझसे कहकर जाते' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

(2) तुलसीदास के विनय के पदों का विवेचन कीजिए ।

(3) बिहारी गागर में सागर भरने वाले कवि हैं । इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(4) 'जागो फिर एक बार' कविता में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए ।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'लो मेघदूत की पंक्तियाँ पढ़ो । इन्हीं में न कहती थी उसके अंतर की कोमलता साकार हो उठी है ? आज उस कोमलता का साकार रूप देख लिया । माँ कुछ नहीं जानती । कुछ नहीं समझती । माँ भावना की गहराई तक नहीं जाती । ··· जीवन एक भावना है । कोमल भावना । बहुत-बहुत कोमल भावना।'

अथवा

काश्मीर जाते हुए मैं यहाँ से होकर नहीं जाना चाहता था । मुझे लगता था कि यह प्रदेश, यहाँ की पर्वत शृंखला और उपत्यकाएँ मेरे सामने एक मूक प्रश्न का रूप लेंगी । फिर भी लोभ का संवरण नहीं हुआ । मुझे अपने से वितृष्णा हुई । उनसे भी वितृष्णा हुई जिन्होंने मेरे आने के दिन को उत्सव की तरह माना। .....मैं तब तुमसे मिलने के लिए नहीं आया क्योंकि भय था तुम्हारी आँखें मेरे अस्थिर मन को और अस्थिर कर देंगी । 8

5. 'आषाढ़ का एक दिन' की मूल संवेदना का विवेचन कीजिए।

अथवा

मल्लिका के चरित्र-चित्रण के आलोक में बताइये कि क्या आप उसके विचारों से सहमत हैं ? 12

6. (क) निर्गुण संत काव्य **अथवा** रीतिमुक्त धारा के कवियों की विशेषताएँ बताइए । 10

(ख) भारतेन्दुकालीन कविता **अथवा** छायावादी कविता की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए । 10